एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5643, वर्ग - 'ब' (दर्शन)

तृतीय प्रश्न पत्र: सांख्य एवं योगदर्शन

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. सांख्यकारिका (तत्त्वकौमुदी सहित) प्रारम्भिक **30** कारिकाएँ मात्र।
2. योगसूत्र - पतंजलि (भोजवृत्ति सहित) प्रथम दो पाद मात्र।

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	सांख्यकारिका **1** से **10** कारिका
द्वितीय इकाई	-	सांख्यकारिका **11** से **20** कारिका
तृतीय इकाई	-	सांख्यकारिका **21** से **30** कारिका
चतुर्थ इकाई	-	योगसूत्र - प्रथम (समाधि) पाद
पंचम इकाई	-	योगसूत्र - द्वितीय (साधन) पाद

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) सांख्यकारिका की **1-10** कारिका में से दो कारिका देकर एक कारिका की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) सांख्यकारिका की **11** से **20** तक की कारिका में से दो कारिका देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) सांख्यकारिका **21** से **30** कारिका में से दो कारिका देकर एक की संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) योगसूत्र के प्रथम पाद से दो सूत्र देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) योगसूत्र के द्वितीय पाद से दो सूत्र देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

1.उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत सांख्यकारिका की **1-30** कारिका में विवेचित विषयवस्तु से संबंधित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। **15** अंक

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत योगसूत्र के प्रथम और द्वितीय पादों में वर्णित विषय से संबंधित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

योग का स्वरूप, चित्त का स्वरूप एवं वृत्तियाँ, चित्त की भूमियाँ, चित्त की अवस्थाएँ, चित्त-निरोध के उपाय, समाधि, समाधि के भेद-प्रभेद, चित्त के अन्तराय, ईश्वर का लक्षण, चित्त एकाग्र करने के उपाय, अष्टांगयोग, चित्त की एकाग्रता से होने वाले लाभ। **15** अंक

सहायक पुस्तकें -

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी - डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यकारिका - शिवनारायण शास्त्री
3. सांख्यसिद्धान्त - उदयवीर शास्त्री
4. सांख्यतत्त्वकौमुदी - डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी